[SHRI S. K. T. RAMACHANDRAN]

Members. I have to make a special mention. Why are you obstructing that? Please accommodate. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jacob has not come back.

SHRI DIPEN GHOSH: He will not come back.

SHRI N.E. BALARAM: He is in a difficult position.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Let the House be adjourned until he comes back. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no, why should we adjourn the House? (*Interruptions*). I do not understand the Members getting agitated when I am not adjourning the House. They say many things, but you don't have to react until and unless I take action on it. (*Interruptions*). Take your seat. Please be calm. When you speak, then they react to it. I am not doing anything, I am not adjourning the House. I am not working under the influence of anybody. I will do it with my own mind. Do not worry. मालवीय जी, आपको बोलना है तो बोलिए नहीं तो दूसरे लोग भी हैं। You may or may not.

SHRI S. JAIPAL REDDY: What is this? We cannot be a party to this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Malaviyaji, will you please speak? (*Interruptions*). Mr. Swamy, will you please speak?

SHRI S. JAIPAL REDDY: Looking to the insensible and irresponsible attitude of the Government we are staging a walk out.

[*At this stage some hon. Members left the Chamber*]

SHRI N.E. BALARAM: We have also been requesting the Government but nobody is going to reply. We are also staging a walk out.

[*At this stage some hon. Members left the Chamber*]

SHRI MENTAY PADMANABHAM: We are also walking out in protest against the irresponsible attitude of the Government.

[*At this stage some hon. Members left the Chamber*]

SPECIAL MENTIONS

'Havala Rackets' in Delhi and other Metropolitan Cities

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): 27 अप्रैल को जब मैं यह पढ़ रहा था उस समय हाउस स्थगित हो गया था। मैंने उस समय ध्यान आकर्षित किया था कि जो हवाला रैकेट है यह एक गैर कानूनी प्रक्रिया है जिससे देश में जो आर्थिक अपराधी हैं वे आर्थिक अपराध कर रहे हैं और सरकार को उससे ..(व्यवधान) हानि हो रही है। मैंने यह भी ध्यान आकर्षित किया था कि राजधानी में दक्षिण दिल्ली में ग्रेटर कैलाश में, चांदनी चौक में, पहाड़ गंज में, करोल बाग में और नई दिल्ली के कनाट प्लेस आदि क्षेत्रों में हवाला करने वाले लोगों के अनेकों ठिकाने हैं जहां से समानान्तर बैंक प्रणाली का संचालन कर रहे है। मैं आप के माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि यह बहुत ही गम्भीर विषय है, बहुत ही गम्भीर आर्थिक अपराध लोग कर रहे हैं। इसलिए सरकार को इस संबंध में फौरन जांच करनी चाहिए और .... (व्यवधान) इसलिए मैं यह विनती कर रहा हूं कि इस सिलसिले में सरकार को एक उच्चस्तरीय जांच करवानी चाहिए और जो-जो हवाला के धंधे में पड़े हुए हैं, ऐसा अपराध कर रहे हैं, उनको गिरफ्तार करके उनके ऊपर कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए।

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) पहले हमें यह बता दें कि वित्त मंत्री जी कब स्टेटमेंट दे रहे हैं। फाइनेंस मिनिस्टर यहां आ रहे हैं, यह जानकारी करवाइये। .... (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now you must trust Jacob Sahib.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh) : When is he going to make the statement ? Will it be after my special mention ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : Mr. Swamy, your number is 13. I cannot call you before everybody else. (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Everybody walked out. Why are they coming back ?

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now, will there be any peace in the House as the Finance Minister has come ?

Mr. Finance Minister, there was a lot of agitation in the House in the morning and now also, and the Members feel that there are certain matters which are agitating their mind, which appeared in the newspaper and they would like you to react now or whenever you like.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MANMOHAN SINGH : Madam, I must apologise to you and through you to the House that I had to go away after the voting on the Constitution Amendment Bill. I was not aware that this matter was coming up. I had a Cabinet meeting which was already on and, therefore, that was the reason why I went away.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : लीडर आफ दी हाऊस ने कहा है कि वह वित्त मंत्री को सूचित कर देंगे । (व्यवधान)

SHRI MENTAY PADMANABHAM : (Andhra Pradesh) : Mr. Jacob said that he had informed the Finance Minister. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN : No, no, this is not the way. I will not permit. You are not allowing me to speak. Please sit down. This is not the way. (*Interruptions*). It is very unfortunate. (*Interruptions*). Just a minute. It is very unfortunate ....

उपसभापति : मालवीय जी, आप तो मंत्री रह चुके हैं । अगर कैबिनेट मीटिंग होती है, तो उनको जाना पड़ता है यह जरूरी होता है ।

SHRI MENTAY PADMANABHAM : The Finance Minister says that he is not aware.

THE DEPUTY CHAIRMAN : He did not say that. You did not hear him correctly. I can repeat every word of what he said. I will repeat it myself. He says that he was not aware .... (*Interruptions*). Do not worry. (*Interruptions*). You should not accuse Mr. Jacob. No. I heard the Finance Minister. (*Interruptoins*). Please Mr. Ahluwalia, please sit down. (*Interruptions*). I say, you keep quiet, you do not understand what is going on. So, you please sit down. What the Finance Minister exactly said that he was not aware that this matter will be taken up now and that is the exact word and he is not saying that he was not aware that Mr. Jacob did not tell him. Do not put allegation on Mr. Jacob.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY : And he is not poor Mr. Jacob, he is quite rich Mr. Jacob.

THE DEPUTY CHAIRMAN : I do not know anything about that. He has not shared anything with me, not even a dinner. How much do I protect him ?

SHRI MANMOHAN SINGH : Both the hon. Leader of the House and Mr. Jacob have informed me about the concern that has been expressed in this House. I will collect all the information and I will come back to the House as soon as I have that information.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Now that matter is over.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY) : Will the Finance Minister collect that information by tomorrow ? I request the Finance Minister personally. Hon. Finance Minister, will you kindly make a statement tomorrow ? You kindly make the statement tomorrow.

SHRI MANMOHAN SINGH : I must plead that I have today the Appropriation Bill. Tomorrow I have the Finance Bill. I have a lot of work. As soon as I have the information, I would come back to the House. I have just left the Cabinet meeting. I seek your permission to go back.

THE DEPUTY CHAIRMAN : Yes, Mr. Finance Minister, you can leave now.

Failure of Electricity at Indira Gandhi International Airport on 23/24 April, 1992

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभापति जी, मैं अपने विशेष उल्लेख के द्वारा एक गंभीर समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है कि हमारा पर्यटन उद्योग दिन-प्रतिदिन नीचे गिरता चला जा रहा है और सार्वजनिक क्षेत्रों में जितनी बड़ी-बड़ी चीजें हैं वह भी एक प्रश्नचिन्ह बनी हुई हैं। मेरा जो मामला है वह बहुत सीधा सा मामला है जिसकी ओर मैं चाहता हूं कि सरकार गंभीरतापूर्वक ध्यान दे। यह 23-4-92 की बात है। उस दिन एयर इंडिया नं० 112 से मैं बाहर से आया था। मैं यहां 12 बजे रात में इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरा। उस विमान में यह घोषणा की गई थी कि टर्मिनस की बिजली चली गई है, अतः आप सभी यात्री विमान में बैठे रहें। आधे घंटे तक जब बिजली नहीं आई और यात्रियों ने जोर दिया कि हम लोग कब तक बैठे रहेंगे तो मुश्किल से अधिकारियों ने नीचे उतरने दिया और इमीग्रेशन तथा कस्टम के लिए सभी यात्री टर्मिनल से आए। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि वहां पर रौशनी की कोई व्यवस्था नहीं थी। चारों ओर अंधेरा था। ऐसे में विशेष तौर से महिलाएं और बच्चे चीख और चिल्ला रहे थे। उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हूं कि अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट अथारिटी का कोई भी व्यक्ति वहां पर सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ। अनेक विदेशी और देशी यात्री जिनमें आप जानते हैं कि हर तरह के लोग थे, वे अंधेरे में भटकते रहे। दो घंटे तक इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अथारिटी में बिजली नहीं रही। ऐसी स्थिति में न तो कोई एमरजैंसी लाईट और न कोई मोमबती जलाने वाला वहां पर कोई था और सारे पैसेंजर इंटरनेशनल एयरपोर्ट अथारिटी के किसी भी अधिकारी को खोज रहे थे, लेकिन किसी का वहां कोई पता नहीं था। इमीग्रेशन वाले वहां मौजूद थे, दूसरे लोग मौजूद थे, लेकिन अथारिटी के लोगों ने बिल्कुल वहां पर अपने को छोड़ दिया सभी को और छोड़ करके वहां भाग गए। किसी को किसी का कोई पता नहीं चला।

[उपसभाध्यक्ष (श्री भास्कर अन्नाजी मासोदकर) पीठासीन हुए]

उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से तीन-चार बातें कहना चाहता हूं। 23 अप्रैल, 1992 की रात में 12.00 बजे रात से लेकर दो बजे तक इंदिरा गांधी इंटरनेशनल अथारिटी एयरपोर्ट पर बिजली नहीं थी। किसकी गलती से यह चली गई ? नंबर दो, इतने बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किसी तरह की अगर बिजली चली जाए तो क्या इमरजैंसी लाइट्स की व्यवस्था हो सकती थी या नहीं हो सकती थी। नंबर तीन, जिस समय ऐसी भयानक स्थिति पैदा हो गई हो जिसको लेकर अनेक विदेशी यात्री कई देशों के वहां भंवर में लटक रहे थे एयरपोर्ट अथारिटी के किसी अधिकारी का रहना या मौजूद होना जरूरी था या नहीं था। इन बातों को ध्यान में रखते हुए उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि जिस अधिकारी की लापरवाही के कारण वहां पर बिजली गुल हुई या वहां पर आग लगी किन परिस्थितियों में, इस पर जांच होनी चाहिए और विशेष रूप से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तैनात जो भी पदाधिकारी अथारिटी के थे उनके ऊपर एक्शन